Bachelor of Arts (B.A.) Part–II Examination

PALI AND PRAKRIT

(Compulsory)

(Other Language)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note :— Write answers in your own medium.

सूचना :— स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.

सूचना :— स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. Translate with reference :— 20

संदर्भासहित भाषांतर करा :—

संदर्भ के साथ अनुवाद कीजिए :—

अथ खो राजगहको सेट्ठी दासे च कम्मकरे च आणापेत्वा येन अनाथपिण्डिको गहपति तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा अनाथपिण्डिकेन गहपतिना सद्धिं पटिसम्मोदित्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो राजगहकं सेट्ठिं अनाथपिण्डिको गहपति एतदवोच–"पुब्बे खो त्वं, गहपति, मयि आगते सब्बकिच्चानि निक्खिपित्वा ममञ्ञेव सद्धिं पटिसम्मोदसि। सोदानि त्वं विक्खित्तरूपो दासेच कम्मकरे च आनापेसि–"तेन हि, भणे, कालस्सेव उट्ठाय यागुयो पचथ, भत्तानि पचथ सूपानि सम्पादेथ, उत्तरिभङ्गानि सम्पादेथा' ति। किं नु खों ते, गहपति, आवाहो वा भविस्सति, विवाहो वा भविस्सति, महायञ्ञो वा पच्चुपट्ठितो, राजा वा मागधो सेनियो बिम्बिसारो निमन्तितो स्वातनायं सद्धिं बलकायेना"ति ?

OR/किंवा/अथवा

एकं समयं भगवा राजगहे विहरति वेळुवने कलन्दकनिवपि। अथ खो अभयो राजकुमारो येन निगण्ठो नातपुत्तो तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा निगण्ठं नातपुत्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो अभयं राजकुमारं निगण्ठो नातपुत्तो एतदवोच–"एहि त्वं, राजकुमार, समणस्स गोतमस्स वादं आरोपेहि। 'एवं ते कल्याणो कित्तिसद्दो अब्भुग्गच्छिस्सति–'अभयेन राजकुमारेन समणस्स गोतमस्स एवं महिद्धिकस्स एवं महानुभावस्स वादो आरोपितो"ति।

"यथा कथं पनाह, भन्ते, समणस्स गोतमस्स एवं महिद्धिकस्स एवं महानुभावस्स वादं आरोपेस्सामी"ति ?

2. Write the summary of 'Markatha'. 10

'मारकथा' चा सारांश लिहा.

'मारकथा' का सारांश लिखिए।

OR/किंवा/अथवा

Explain the subject matter of 'Jivak Sutta'.

'जीवकसुत्ता'ची विषयवस्तु स्पष्ट करा.

'जीवकसुत्त' की विषयवस्तु स्पष्ट कीजिए।

3. Translate the following :— 20

खालील गाथांचे भाषांतर करा :—

निम्नलिखित गाथाओं का अनुवाद कीजिए :—

(i) कोधं जहे विप्पजहेय्य मानं संयोजनं सब्बमतिवकमेय्य।

तं नाम-रुपास्मिं असज्जमानं अकिञ्चनं नानुपतन्ति दुक्खा।।

(ii) यो वे उप्पतितं कोधं रथं भन्तं' व धारये।
तमहं सारथिं ब्रुमि रस्मिग्गाहो इतरो जनो।।

(iii) अक्कोधेन जिने कोधं असाधु साधुना जिने।
जिने कदरियं दानेन सच्चेनालीक वादिनं।।

(iv) सच्च भणे न कुज्झेय्य, दज्ञाप्यस्मिम्पि याचितो।
एतेहि तीहि ठानेहि गच्छे देवानं सन्तिके।।

OR/किंवा/अथवा

(i) उदहारी अहं सीते, सदा उदक मोत्तरिं।
अय्यानं दण्डभयभीता, वाचोदोसभयट्टिता।।

(ii) "कस्स ब्राम्हण त्वं भीतो, सदा उदकमोतरि।
वेधमानेहि गत्तेहि, सीतं वदेयसे भुसं ?"।।

(iii) जानन्ती च तुवं भोति, पुण्णिके परिपुच्छसि।
करोन्तं कुसलं कम्मं, रुन्धन्तं कत पापकं।।

(iv) "यो च वुड्ठो दहरोवा, पापकम्मं पकुब्बति।
दकाभिसेचना सो पि, पापकम्मा पमुच्चति"।।

4. (A) Write the importance of 'Chittvaggo'. 10
'चित्तवग्गा' चे महत्त्व विशद करा.
'चित्तवग्ग' का महत्त्व विशद कीजिए।

OR/किंवा/अथवा

Write the summary of 'Sopaktthergatha'.
'सोपाकत्थेरगाथें' चा सारांश लिहा.
'सोपाकत्थेरगाथा' का सारांश लिखिए।

(B) Write notes on any **two** of the following :— 10
खालीलपैकी कोणत्याही **दोनवर** टीपा लिहा :–
निम्नलिखित किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :–

(1) धम्मपद
(2) थेरगाथा
(3) मज्झिमनिकाय
(4) चत्तारि अस्थि सच्चानि

5. Write very short notes :— 10
अतिशय थोडक्यात उत्तरे लिहा :—
अति संक्षेप में उत्तर लिखिए :—

(1) Explain the meaning of 'Dhammpada'.
'धम्मपदाचा' अर्थ स्पष्ट करा.
'धम्मपद' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(2) Explain /स्पष्ट करा/स्पष्ट कीजिए :—
फन्दनं चपलं चित्तं दुरक्खं दुन्निवारयं।

(3) Explain/स्पष्ट करा/स्पष्ट कीजिए :—
अरियो अट्ठङ्गिको मग्गो।

(4) Explain meaning of 'Arhanta'.
'अरहन्ताचा' अर्थ स्पष्ट करा.
'अरहन्त' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(5) Write about 'Rajagaha'.
'राजगह' विषयी लिहा.
'राजगृह' के बारे में लिखिए।

6. (A) Write the following forms any **ONE** :— 4
कोणत्याही **एकाचे** विभक्ती रूप लिहा :—
किसी भी **एक** का विभक्ति रूप लिखिए :—
(i) मातु
(ii) धेनु
(iii) सब्ब

(B) Write the future tense of roots (any **TWO**) :— 2
धातुंची भविष्यकाळातील रूपे लिहा (कोणतीही **दोन**) :—
धातुओं के भविष्यकाल के रूप लिखिए (कोई भी **दो**) :—
(i) रक्ख (ii) भू
(iii) चज (iv) नम

(C) Write imperative form (any **TWO**) :— 2
आज्ञार्थ रूपे लिहा (कोणतीही **दोन**) :—
आज्ञार्थ रूप लिखिए (कोई भी **दो**) :—
(i) लभ (ii) खाद
(iii) ठा (iv) हिंस

(D) Write form of Purvakalik Kriya (any **TWO**) :— 2
पूर्वकालिक क्रियेचे रूप लिहा (कोणतीही **दोन**) :—
पूर्वकालिक क्रिया के रूप लिखिए (कोई भी **दो**) :—
(i) पच (ii) तर
(iii) गम (iv) चिन्त.

(E) Translate into your own medium :— 5
स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा :—
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए :—
(i) सुनखा उय्याने किलिस्सन्ति।
(ii) दारको गेहे चरिस्सति।
(iii) सतिमन्तो ञानं वड्ढेतिं।
(iv) त्वं गामं गच्छिस्ससि।
(v) सो भूपालो भविस्सति।

(F) Translate into Pali:— 5
पालीमध्ये भाषांतर करा :–
पाली में अनुवाद कीजिए :–
(i) गाय गवत खाते.
गाय घास खाती है।
(ii) कुसीनारा मध्ये एक राजा राहात होता.
कुसिनारा में राजा रहता था।
(iii) भिक्षु शीलाचे रक्षण करुन ध्यान करेल.
भिक्षु शील की रक्षा कर ध्यान करेगा।
(iv) मी पुस्तक वाचणार.
मैं किताब पढ़ूँगा।
(v) शास्ताने एका भिक्षुला पाहिले.
शास्ताने एक भिक्षु को देखा।